पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 13

माह - अप्रैल 2020, मूल्य - निःशुल्क

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

आपके विकास को समर्पित

विशेष :-

- इम्युनिटी
- कोरोना वायरस
- राशन सामग्री
- कोरोना से लड़ेंगे
- खाद्य सामग्री वितरित
- सैनिटाइजर जल वितरित
- दानदाताओं की सूची
- मोहल्ला विकास योजना
- सुंदर गांव-समझदार गांव
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर उत्कंठा मंदिर सदर बाजार में दीपकों को जलाकर कोरोना वायरस एवं विश्व शांति, देश शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। जिसमें मुख्य रूप से कुलपुरोहित ओमप्रकाश मिश्रा, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. की सीईओ संगीता मिश्रा, विचार संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया उपस्थित थे।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

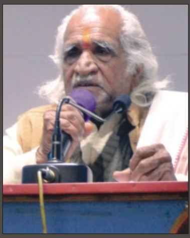

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

पता - विचार कार्यालय, पुरानी स्टेट बैंक बिल्डिंग, वर्णी कालोनी, सागर

कोरोना वायरस का खात्मा करने में कितनी मददगार साबित होगी इम्युनिटी?

कोरोना वायरस के संक्रमण से पूरी दुनिया थम सी गई है। कोरोना वायरस से होने वाली मौतों का आंकड़ा रोजाना बढ़ रहा है. कोरोना से संक्रमण का दायरा भी एशिया, यूरोप से होते हुआ अब अफ्रीका तक पहुंच चुका है। 8 अप्रैल 2020 तक दुनिया भर में कोरोना वायरस से 13.97 लाख लोग संक्रमित हैं जबकि इससे अब तक 79,513 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में 5,192 संक्रमित और 162 लोगों की मौत हो गई। मध्यप्रदेश में 312 संक्रमित और 19 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए दुनिया के कई देशों में लॉकडाउन किया गया है. लोग घरों में कैद हैं. डर और आशंका के इस माहौल में अब लोग ये सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि आखिर कोरोना नाम की इस महामारी का अंत कब होगा.दुनिया भर के वैज्ञानिक और हेल्थ एक्सपर्ट कोरोना वायरस की तोड़ ढूंढने में जुटे हुए हैं. इस बीच एक रिपोर्ट यह आई है कि लोगों में हर्ड इम्युनिटी यानी सामूहिक प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाए तो कोरोना वायरस का मुकाबला करने में आसानी हो सकती है. ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मैट हैनकॉक ने कहा है कि सामूहिक प्रतिरोधक क्षमता किसी भी महामारी का स्वाभाविक सह उत्पाद है. यानी महामारी के फैलने के साथ ही अपने आप हर्ड इम्युनिटी विकसित हो जाती है.

आकांक्षा मलैया

क्या है हर्ड इम्युनिटी? जब किसी जगह पर लोगों को किस भयानक बीमारी से लड़ने के लिए बड़ी संख्या में वैक्सीन दी जाती है तो इससे बाकी लोगों में उस महामारी के फैलने का खतरा कम हो जाता है. जिन्हें उस महामारी की वैक्सीन नहीं लगी है या फिर वैक्सीन नहीं दी जा सकती, उन्हें भी यह बीमारी अपनी चपेट में कम ले पाती है. इसे ही हर्ड इम्युनिटी या सामूहिक प्रतिरोधक क्षमता कहते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के टिप्स -

जल - यह प्राकृतिक औषधि है। प्रचुर मात्रा में शुद्ध जल के सेवन से शरीर में जमा कई तरह के विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

रसदार फल - संतरा, मौसमी आदि रसदार फलों में भरपूर मात्रा में खनिज लवण तथा विटामिन सी होता है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गिरीदार फल - सर्दी के मौसम में गिरीदार फलों का सेवन फायदेमंद होता है। इन्हें रात भर भिगोकर रखने व सुबह चाय या दूध के साथ, खाने से आधे घंटे पहले लेने से बहुत लाभ होता है।

अंकुरित अनाज - अंकुरित अनाज (जैसे मूंग, मोठ, चना आदि) तथा भीगी हुई दालों का भरपूर मात्रा में सेवन करें।

सलाद - भोजन के साथ सलाद का उपयोग अधिक से अधिक करें।

चोकर सहित अनाज - गेहूं, ब ार, बाजरा, मक्का जैसे अनाज का सेवन चोकर सहित करें। इससे कब्ज नहीं होगी तथा प्रतिरोध क्षमता चुस्त-दुरुस्त रहेगी।

तुलसी - तुलसी का धार्मिक महत्व अपनी जगह है मगर इसके साथ ही यह एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी फायदेमंद है।

योग - योग व प्राणायाम शरीर को स्वस्थ और रोगमुक्त रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हंसना जरूरी है - हंसने से रक्त संचार सुचारु होता है व हमारा शरीर अधिक मात्रा में ऑक्सीजन ग्रहण करता है। तनावमुक्त होकर हँसने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने में मदद मिलती है।

कोरोना वायरस क्या है

- श्रेयांश जैन

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोरोना वायरस कई प्रकार के विषाणुओं (वायरस) का एक समूह है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। मानवों में श्वास तंत्र संक्रमण पैदा हो सकता है। 2019 नोवेल कोरोनावायरस जो कि वुहान कोरोना वायरस भी कहलाता है, संक्रमण (रोग) फ़ैलाने वाला कोरोना वायरस (विषाणु) है जो कि मानव से मानव में फैलता है इसकी पहचान सर्वप्रथम सन् 2019-20 में वूहान, हूबेई, चीन में की गई थी इसके एक पशुजन्यरोग होने के संकेत हैं है। इसका प्रसार मुख्य रूप से लगभग 6 फीट (1.8 मीटर) की सीमा के भीतर खांसी और छींक से बूंदों के माध्यम से होता है। दूषित सतहों के माध्यम से अप्रत्यक्ष संपर्क, संक्रमण का एक और संभावित कारण है। लातीनी भाषा में कोरोना का अर्थ मुकुट होता है और इस वायरस के कणों के इर्द-गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढाँचों से इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया था।, इन्शान कि तुलना में यह वायरस 900 गुना छोटा होता है।

यह वायरस कैसे फैलता है ?

जब कोरोना वायरस से संक्रमित कोई व्यक्ति खांसता या छींकता है तो उसके थूक के बेहद बारीक कण हवा में फैलते हैं. इन नन्हे नन्हे कणों के जरिये यह वायरस फैलता है।

व्यक्ति के छीकने पर एक वक्र पर कुल 3000 से अधिक कण यानी ड्रॉपकेट शरीर से बाहर आते हैं, रिसर्च में पाया कि थूक के कण 3-4 घंटे जिंदा रह सकते हैं हवा में तैर सकते हैं, लेकिन यह कण दरवाजे के हैंडल, लिफ्ट बटन, जैसे धातु की सतह पर यह 48 घंटे जीवित रह सकते हैं, स्टील पर यह 2-3 दिन तक जीवित रह सकते हैं अनुकूल परिस्थितियों में यह 7 दिन तक जीवित रह सकते हैं, यह 50 से 60 डिग्री तापमान में भी नष्ट नहीं होते है, संक्रमित व्यक्तियों के पास रहने से यह वायरस आपके शरीर में सांस के माध्यम से प्रवेश करता है जब हम अपने हाथों से दरवाजे के हैंडल, लिफ्ट बटन आदि के लेनदेन करने के पश्चात ये हाथ के माध्यम से अपने मुंह नाक पर लग जाते हैं जिससे यह जीवाणु भी हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते है यह ध्यान रहे कि सिर्फ छूने से नही बल्कि शरीर में जाने से यह सक्रमण होता है।

कोरोना वायरस के लक्षण -

1 कोरोना वायरस मैं पहले बुखार होता है, नाक और गले में खराश

2 इसके बाद सूखी खांसी होती है फिर एक हफ्ते बाद सांस लेने में तकलीफ होती है (इन लक्षणों का हमेशा मतलब नहीं कि आपको कोरोना वायरस का संक्रमण है)

3 कोरोना वायरस के गंभीर आपको निमोनिया सांस लेने में बहुत ज़्यादा परेशानी किडनी फेल होना यहां तक की मौत भी हो सकती है।

4 उम्रदराज लोग 60 से ऊपर जिनको पूर्व में अस्तमा मधुमेह दिल की बीमारी हो उनको गंभीर खतरा रहता है 10 साल से कम उम्र के बच्चों को भी संक्रमण का खतरा रहता है। (कुछ अन्य मामलों में इसी तरह के के मामले पाए जाते हैं जैसे जुखाम कफ)

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने और फैलने से रोक ने के लिए आप करें -

1 प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम 1- 2 मीटर की दूरी बनाए रखें।

2 दिन में कई बार अपने दोनों हाथ साबुन या हैंडवास से कम से कम 20 सेकंड तक धोते रहे।

3 पानी ना मिलने पर सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।

4 खांसते और छीकते समय टिशु पेपर का इस्तेमाल करें।

5 इस्तेमाल किए टिशु को फेंक कर हाथ धोवे।

6 खासतौर सीखते समय अगर आपके पास इस नहीं है तो अपने बाजू का इस्तेमाल करें।

7 बिना हाथ में अपनी आंख कान मुंह को ना छुएं।

8 बीमार व्यक्ति के पास नजदीक जाने से बचे।

जरूरतमंदों को घर-घर पहुंचा रहे राशन सामग्री

एक तरफ जहां विश्व इस संकट की घड़ी में मुश्किल दौर से गुजर रहा है वहीं हमारे देश भारत में भी कोरोना से लड़ने के लिए विचार संस्था ने कमर कस रखी है जिसके तहत संस्था द्वारा निरंतर ऐसे अंतिम व्यक्तियों अथवा हितग्राहियों तक लगातार मदद पहुंचाने का कार्य कर रही है जिसके तहत खाद्य सामग्री की किट बतौर सहयोग उन घरों तक पहुंचाई जा रही है जो कि शासन की योजना में पात्रता नहीं रखते ना ही उनके राशन कार्ड है ना ही उन्हें किसी तरह की कोई शासकीय मदद मिलती है तथा ऐसे परिवार भी हैं जो दूसरे राष ों से या तो पढ़ाई करने के लिए या मजदूरी करने के लिए या अन्य कारण से हमारे शहर सागर में निवास करते हैं। अनेकों परिवार ऐसे भी हैं जो पात्र होकर भी दस्तावेजों के अभाव में राशन कार्ड न होने की मैं विचार संस्था के कार्यकर्ता लॉक डाउन के दौरान गरीब बेसहारा और जरूरतमंद लोगों को घर-घर जाकर राशन की सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं और समाज को संदेश दे रहे हैं कि वह लोग अपने घरों में रहे उनकी सेवा के लिए वो लोग बाहर हैं और हर कोई खतरा मोल लेने को तैयार हैं।

नितिन पटैरिया

कोरोना महामारी से लड़ने के लिए देश में लॉकडाउन किया गया है, जिसका सबसे ज़्यादा प्रभाव दिहाड़ी मज़दूरों पर पड़ रहा है. जिनकी कमाई रोज़ के काम पर निर्भर था उन्हें काम मिलना बंद हो गया है और वो सड़क पर हैं। लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। लोगों को बचाने के लिए ही लॉकडाउन का कदम उठाया गया है। लोगों ने बताया कि इस कठिन समय में जब लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, वहीं विचार संस्था ने गरीबों और जरूरतमंद की मदद करने का प्रयास किया है। कोरोना वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई में सामाजिक गड़बड़ी प्रमुख कारण है। लॉकडाउन के कारण बाजार, गली मोहल्लों में सन्नाटा है और पुलिस की तरफ से नाकाबंदी की गई है।

मैं आपको बता दूं कि पूरी दुनिया के लिए खौफ का दूसरा नाम बन चुके कोरोना वायरस की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति है इसकी चाल। पहले इसके लक्षण इक्का दुक्का लोगों में दिखते हैं, लेकिन दो से तीन हफ्ते में जंगल की आग की तरह फैलते हैं. आंकड़े बता रहे हैं कि कई देशों की सरकारों ने इसकी चाप को समय रहते नहीं सुना। इसमें अमेरिका, इटली से लेकर ईरान तक शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को थोड़ी देर के लिए दरकिनार भी कर दें तो तकरीबन हर जगह की सरकारों ने तब तक कोई एक्शन नहीं लिया, जब तक यह बीमारी गुपचुप तरीके से महामारी नहीं बन गई।

बीमारी को रोकने के कम और शेयर बाजार के गिरने से लेकर राजनीतिक उठापटक की चिंता तकरीबन सभी देशों ने ष ादा दिखाई। कोरोना वायरस से जुड़े विभिन्न देशों के आंकड़े और मॉडल बता रहे हैं कि सरकार की ओर से जारी मरीजों की संख्या के मुकाबले यह बीमारी दस गुना पैठ बना चुकी होती है। एक्सपर्ट मानते हैं कि अगर सरकारें आउटब्रेक से पहले सजगता दिखाती हैं तो इसके फैलने की संभावना को दस गुना कम किया जा सकता है। निमोनिया की तरह दिखने वाली बीमारी दबे पांव आपके करीब आ गई है। चीन में इसके फैलने और उसे रोकने के लिए वहां की विफलता और सफलता से बहुत सारे देशों ने कुछ नहीं सीखा। कुछ चीन के खानपान और चमगादड़ गिनते रहे और कुछ ने विकसित होने के दंभ में अपने सैकड़ों नागरिकों की जान जोखिम में डाल दी। तीन देशों-इटली, ईरान और अमेरिका का उदाहरण सामने है। केवल एक हफ्ते में कोरोना वायरस के नए मरीजों और उसकी वजह से दम तोड़ने वालों की संख्या चीन से आगे निकल चुकी है. सवाल है कि क्या भारत इस बीमारी के बड़े आउटब्रेक के लिए तैयार है।

कोरोना से लड़ेंगे और जीतेंगे

हम सभी इतिहास के उस समय के साक्षी हैं जो लिखित इतिहास में वैश्विक आपदा का सबसे भीषण काल है। अतः हम सभी को इतिहास के इस वर्तमान कालखण्ड में अपना सकारात्मक योगदान

शैलेन्द्र राजपूत

सुनिश्चित करना ही श्रेयस्कर होगा। इतिहास से सबक लेते हुए सरकार व तंत्र की मदद करना होगा, देशहित में लिए सभी फैसलों में सरकार के साथ खढ़े रहना होगा। विचार संस्था मानव हित के उद्देश्यों को पूरा करने में अपना सतत योगदान दे रही है। पूरी दुनिया कोरोना वायरस जैसी संक्रमण से लढ़ रही है। भारत देश भी इसकी जद में आ चुका है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इस वैश्विक आपदा से निपटने के लिए सम्पूर्ण भारत को 21 दिनों के लिए लॉकडाउन कर चुके हैं। देश भीषण काल से गुजर रहा है। ऐसें बुरे दौर में हर सच ा भारतीय अपना योगदान दे रहा है। देश की सामाजिक संस्थाएं बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रही है। विचार संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष कपिल मलैया जी का कहना है, बेशक हम बुरे दौर से गुजर रहे हैं पर भारत वासियों के दृण विश्वास से यह देश बढ़ी-बढ़ी आपदाओं से उभरकर सम्रद्धि की राह पर आया है। विचार संस्था का हर कार्यकर्ता इस आपदा में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रतिबंध है। अभी तक के योगदान में हम .....

राशन किट का विवरण इस प्रकार है।

1. गेहूं 15 किलो रुपया 270
2. चावल 5 किलो रुपया 150
3. दाल 1.5 किलो रुपया 135
4. तेल 1/2 लीटर रुपया 55
5. नमक 1 किलो रुपया 10
6. हल्दी+मिर्ची+धना रुपया 30
7. कुल किट खर्चा रुपया 650

8 अप्रैल तक 160 दानकरदाताओं द्वारा 3 लाख 50 हजार की राशि दान की जा चुकी है, जिससे 825 परिवारों तक राशन की किट पहुंचाई जा चुका है. लॉकडाउन अभी कम से कम 6 दिन और चलने वाला है जिसमें संस्था का आकलन है की प्रतिदिन 75 राशन किट की आवश्यकता पड़ेगी.

आपसे निवेदन है की अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें.

विजन इंडिया फाउंडेशन ने आकांक्षा मलैया को 'एलुमनाई ऑफ दा मंथ' से नवाजा

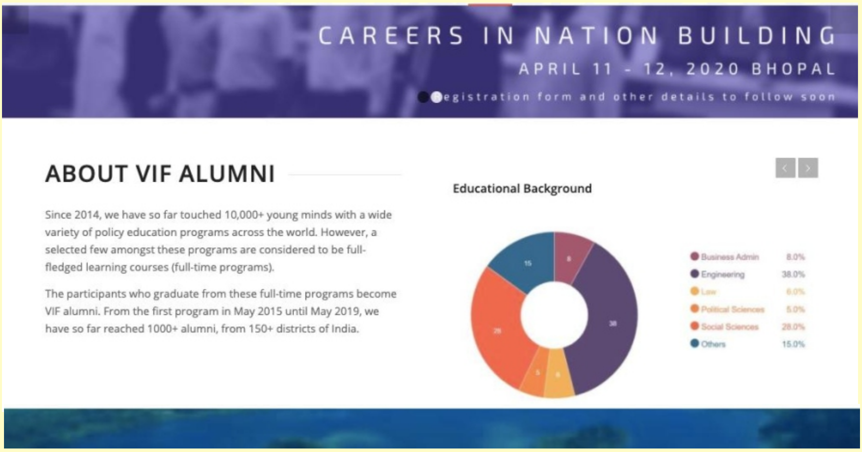

CAREERS IN NATION BUILDING

APRIL 11 - 12, 2020 BHOPAL

Registration form and other details to follow soon

ABOUT VIF ALUMNI

Since 2014, we have so far touched 10,000+ young minds with a wide variety of policy education programs across the world. However, a selected few amongst these programs are considered to be full-fledged learning courses (full-time programs).

The participants who graduate from these full-time programs become VIF alumni. From the first program in May 2015 until May 2019, we have so far reached 1000+ alumni, from 150+ districts of India.

ALUMNUS OF THE MONTH

Akaksha Malaiya

She is the secretary of Vichar Sanstha, an NGO working for the overall development of the city of Sagar in Madhya Pradesh. This January, her NGO organised a mass celebration for Republic Day in which 31,000 people formed the world's longest human chain which was 17 km long and displayed the tri-colours of the Indian national flag. In the past, she has led a project for sensitising 83,000 children from 61 schools on crimes against women.

Location: Sagar, Madhya Pradesh
VIF program attended: Policy BootCamp 2018

Thanking You
Shobhit Mathur
Executive Director

विजन इंडिया फाउंडेशन, जो कि देश के प्रमुख लीडरशिप ट्रेनिंग आर्गेनाईजेशन में से एक है, ने विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया को अपने मासिक न्यूज़लेटर में स्थान दिया। उन्होंने आकांक्षा को 'एलुमनाई ऑफ द मंथ' घोषित किया एवं न्यूजलेटर में विचार संस्था की गतिविधियों के बारे में बताया। विजन इंडिया फाउंडेशन ने अपनी संस्था से जुड़े देशभर के 11000 लोगों तक यह बात पहुंचाई की सागर स्थित विचार संस्था ने इस जनवरी 31,000 लोगों की तिरंगा मानव श्रृंखला बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है एवं देश का नाम रोशन किया है। साथ ही यह बताया कि पूर्व में आकांक्षा ने संस्था की एक मुहिम का संचालन किया है, जिसमे 61 स्कूलों के 83,000 बच ों को महिला संबंधी अपराधों को लेकर जागरूक किया गया है।

विचार संस्था ने 825 परिवारों को राशन की सामग्री वितरित की

सागर। विचार संस्था द्वारा जरूरतमंद परिवारों को गेहूं, चावल, दाल, तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, धना आदि किराने का जरूरत का सामान 8 अप्रैल तक 825 से अधिक परिवारों को वितरित किया गया।

विचार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी। विचार संस्था से जो भी सहयोग की अपेक्षा हो जरूर बताइए। इस नेक कार्य में सहयोगी सदस्यों में कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सचिव कु. आकांक्षा मलैया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, सहायक अनुराग विश्वकर्मा, धवल कुशवाहा, समन्वयक देवेन्द्र वर्मा, तुलसीराम दाऊ, वालंटियर जवाहर दाऊ, बद्री सेन, अरविंद अहिरवार, राजकुमार रैकवार आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

विचार संस्था ने बांटा 1000 लीटर सैनिटाइजर जल

आइये जानते हैं विचार संस्था कौंन सा सैनीटाइजर वाटर वितरित कर रही है

यह वर्ल्ड वेस्ट सैनिटाइजर है जो जापान की कंपनी एनिजिक की मशीन है, जिसकी कीमत 4 लाख 50 हजार है, इसका नाम केंगीन वाटर है। इसमें से 2.5 पी.एच. वाटर निकलता है, जिसमें कोई भी बै टीरिया, वायरल या जीवाणु, सर्वाइज नही कर पाता है। इस सैनिटाइजर वाटर से बै टीरिया, वायरल या जीवाणु की इमिजेटली डेथ हो जाती है। विचार संस्था अभी तक इस मशीन से 1 हजार लीटर मु त सैनीटाइजर वाटर बनाकर वितरित कर चुकी है। यह कार्य ऐसे ही निरंतर जारी रहने वाला है। - द्वारा शैलेन्द्र राजपूत

सागर। विचार संस्था नगरवासियों की सुरक्षा के लिए अपने अथक प्रयास जारी रखे हुए है। विचार संस्था सैनिटाइजर जल का निर्माण कर मोहल्लों वार्डों में जाकर घर-घर वितरित कर रही है। सैनिटाइजर जल का निर्माण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने सैनिटाइजर जल बनाने के लिए केंगेन खरीदी है। विचार संस्था 8 अप्रैल तक 1000 लीटर से ख ादा सैनिटाइजर जल का वितरण कर चुकी है। विचार संस्था की टीम ने सुबह से मोहल्लों वार्डों के अलावा सरकारी महकमों में सैनिटाइजर जल वितरित करना शुरू किया। चौबीसों घण्टे सढ़कों पर प्रहरी बने पुलिस विभाग को चौराहों-चौराहों जाकर सैनिटाइजर जल दिया और उनके कर्तव्यों के निर्बहन के लिए उन्हें संस्था और शहर वासियों की तरफ से धन्यवाद दिया। सैनिटाइजर जल का वितरण करने वालों में मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, धवल कुशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, देवेंद्र वर्मा, तुलसीराम दाऊ, अरविंद अहिरवार, बद्री सेन आदि शामिल हैं।

7686

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
हाथ मिलायें नहीं
हाथ जोड़कर
अभिवादन करें

हस्त सुरक्षा
विचार संस्था

दानदाताओं की सूची

03/04/2020 तक की कुल दान राशि : 196901+22100= ₹ 2,19,001

कोरोना लॉकडाउन के समय में दान करने वालों की सूचि इस प्रकार है:

क्र.	फोटो	नाम	दान राशि
1		कार्तिक पटेल जी	20000
2		अरुण कुमार बजाज जी (खुरई)	11000
3		ललित पटेल जी	9000
4		निधि जैन जी (खाद)	7150
5		हीरालाल जी क्षमा सागर छात्रावास	6500
6		डॉ. राजेश जैन जी	6500
7		संजय जैन जी (प्रदुषण विभाग)	6500
8		लोकेन्द्र सिंह जी (सरपंच, धगरानिया)	5100
9		सौरभ जैन जी	5000
10		कर्नल आशीष जी	5000
11		सोमिल साहू जी (देवरी)	5000
12		जय मलैया जी	5000
13		डी.के. जैन जी (पूर्व इनकम टैक्स अधिकारी)	5000
14		वंदना नायक जी	3500
15		मनीष कुमार नेमा जी (डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरियन)	3250
16		दीपाली अग्रवाल जी	3000
17		प्रशांत गुरुदेव जी	3000
18		सरीता जैन जी	3000
19	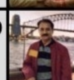	मनीष केशरवानी जी	2500
20		प्रतीक जैन जी (कोषाध्यक्ष, सागर टाइल्स एसोसिएशन)	2100
21		सोमेश कुलश्रैष्ठ जी	2100
22	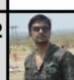	आकाश जैन जी (वर्णी कॉलोनी)	2100
23		प्रदीप आठिया जी (बीना)	2100
24		बेरेनीस ग्रोव जी	2100
25		समृद्धि जैन जी	2100
26		नीरज पटोदी जी	2100
27		मनीष सिंघई जी	2000
28		विकाश कुमार मिश्रा जी	2000
29		रोहित कुमार पटेल जी	1800
30	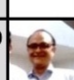	सुमित सेठ जी एवं परिवार	1800

दानदाताओं की सूची

कोरोना लॉकडाउन के समय में दान करने वालों की सूचि इस प्रकार है:

क्र.	फोटो	नाम	दान राशि
31		कपिल मलैया जी	1800
32		मनोज जैन जी	1800
33		संगीता मिश्रा जी	1800
34		ऋषभ जैन जी एवं आशिके खान जी	1500
35		साहब सिंह जी	1500
36		मनीष तिवारी जी	1500
37		रुषेन्द्र कुमार जी	1350
38		दीपक मेवाड़ा जी	1350
39		सुरभि सिंघई जी	1350
40		अनीता मनोज जैन जी	1350
41		अभिजीत कोंडेकर जी एवं परिवार	1350
42		दीपाली कोरी जी	1350
43		शौर्य बनर्जी जी	1350
44		सौरभ रांधेलिया जी	1350
45		सचिन जैन जी एवं परिवार	1100
46		प्रदीप मलैया जी	1100
47		नवीन श्रीवास्तव जी	1100
48		डॉ अनिल खरे जी	1100
49		हरिओम तिवारी जी (दमोह)	1100
50	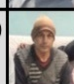	योगेश मौर्य जी	1100
51		सोमेश गढ़वाल जी	1100
52		शैलेन्द्र राजपूत जी	1100
53		दीपक वर्मा जी	1100
54	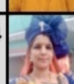	रजनी जैन जी	1100
55		रिया मिश्रा जी	1100
56		ज्योति सराफ जी	1100
57		पंकज आठिया जी	1100
58		संदीप रघुवंशी जी	1001
59		विजयलक्ष्मी जी	1000
60		इकरार खान जी	1000

दानदाताओं की सूची

कोरोना लॉकडाउन के समय में दान करने वालों की सूचि इस प्रकार है:

क्र.	फोटो	नाम	दान राशि
61		विवेक जैन जी	1000
62		आलेख पंड्या जी	1000
63		विनीत जैन जी (तालेवाले)	1000
64		जगदीश खोब्रागडे जी	1000
65		मंजू बड़कुल जी	1000
66		सुरेश पंजवानी जी	1000
67		धवल कुशवाहा जी	900
68		विवेक बोहरे जी	900
69		रश्मि जैन जी	650
70		मोही राजपुत जी एवं आरव केशरवानी जी	650
71	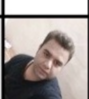	अभिषेक केशरवानी जी	650
72		विजय सिंह जी	650
73		आदित्य जैन जी	650
74		हिमांशु साहू जी	500
75		ज्योति जैन जी	500
76		राहुल तिवारी जी	500
77		सूरज सोनी जी	500
78		मंजू सतभैया जी	500
79		फ़िरोज़ शैख़ जी	500
80		आश्विन मलैया जी	500
81		प्रियंका गोदरे जी (अध्यक्ष, णमोकार बालिका मंडल)	500
82		अक्षय कुमार नानकनी जी	200
83	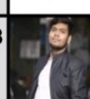	लोकेन्द्र चमन कोरी जी	100
84			
85		5 गुप्तदान	6250
		कुल दान राशि	196901

दानदाताओं की सूची

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया परिवार के दानकर्ताओं की सूचि इस प्रकार है:-1

क्र.	फोटो	नाम	दान राशि
1		हिमांशी, हिमांगी चौकसे d/o श्री अजय अंशु चौकसे	1300
2		मोही d/o हर्षिता विजय सिंह	650
3	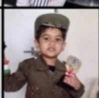	आरव केशरवानी s/o श्री अभिषेख केशरवानी	650
4		मास्टर हिमाक्ष, साधना ताराकांत चौधरी जी (मुख्य प्रबंधक)	2600
5	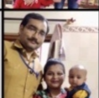	आकाश जैन जी (प्रबंधक)	1300
6	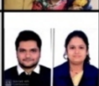	अभिषेक संगीता जैन जी (वरिष्ट प्रबंधक)	1300
7		बी. डी . जैन जी (सेवानिवृत वरिष्ट प्रबंधक)	1300
8		संतोष जैन जी सेवानिवृत (मुख्य प्रबंधक)	1300
9		रोहिताश्व, मीना, द्रष्टि, जितेश यादव जी (मुख्य प्रबंधक)	1300
10	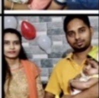	आयुषी D/O अनुराधा संजीव सुमन जी (वरिष्ठ प्रबंधक)	650
11		समृद्ध s/o अनामिका ओमप्रकाश सोनी जी (वरिष्ठ प्रबंधक)	650
12		नाव्या रियांश D/O प्रीती गौरव सिंह जी (उप-प्रबंधक)	650
13	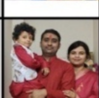	दिवित S/O डॉ नेहा दीपक गौतम जी (वरिष्ठ प्रबंधक)	650

क्र.	फोटो	नाम	दान राशि
14	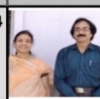	महेंद्र जैन जी (राजभाषा अधिकारी)	650
15	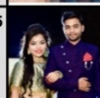	अनुराग जैन जी (शाखा प्रबंधक)	650
16	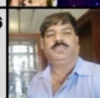	प्रणय कुमार जी (प्रबंधक)	650
17	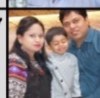	रेहांश s/o सुरेन्द्र मीणा जी (मुख्य प्रबंधक)	650
18	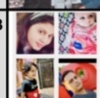	प्रियंका, नीरज तिवारी जी (शाखा प्रबंधक)	650
19	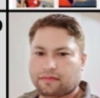	कु.अवंतिका, आध्या D/o जितेन्द्र सिंह जी (शाखा प्रबंधक)	650
20		कु. वंदिता तोमर D/O संजीव तोमर जी (उप प्रबंधक)	650
21	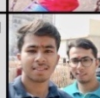	संजीव, हितेश s/o रमेश कौशिक जी (प्रधान खजांची)	650
22	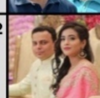	ख्याति राजपूत जी (शाखा प्रबंधक)	650
23		मुकेश यादव जी (वरिष्ट प्रबंधक)	650
24	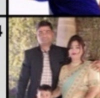	अर्नव सिंह, आकांक्षा सिंह एवं प्रदीप सिंह जी	650
25		ख्याति राजपूत जी	650
		कुल दान राशि	22100

दानदाताओं की सूची

दान सामग्री दानकर्ताओं की सूचि:

क्र.	फोटो	नाम	दान वस्तु
1		पंडित राम रतन पटेरिया जी	1 क्विंटल गेहूं
2		राजेश जैन बड्डे जी	1 क्विंटल चावल
3		मुकेश कुमार राजा जैन जी बड्डे	1 क्विंटल चावल
4		राजेश जैन जी (शिल्पी कार्ड गैलरी)	1 क्विंटल चावल
5		सागर ट्रेडर्स	1 क्विंटल चावल
6		हरि जैन जी मोदी ट्रेडर्स	1 क्विंटल चावल
7		राजेश जैन जी (अनिल ट्रेडर्स)	1 क्विंटल चावल
8		साईं कृपा ट्रेडर्स	1 क्विंटल चावल
9		बंटी साहू जी	60 किलो मिर्ची,धना, हल्दी
10		सुभाष लेहेरवानी जी	15 किलो मिर्ची, धना, हल्दी

सागर सुधार - सागर विकास

मोहल्ला विकास योजना

1. लक्ष्य : बुंदेलखंड का सुनियोजित विकास।

2. उद्देश्य :

- ▶ नागरिकों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना।
- ▶ लोगों की सोचने की क्षमता बढ़ाना।
- ▶ उन्हें अपने जीवन के निर्णय विकास की दृष्टि से लेने को प्रेरित करना।
- ▶ आवश्यक विषयों पर जागरूकता लेकर लोगों के जीवन स्तर में सुधर लाना।

3. नए मोहल्लों में योजना की शुरुआत :

इसमें 100 घरों के एक समूह को एक मोहल्ले का नाम दिया गया है। इन 100 घरों की जिम्मेदारी कम से कम 11 सदस्यों की टीम लेती है। टीम में एक पुरूष/महिला को समन्वयक बनाया जाता है शेष 10 लोगों को पालक बनाया जाता है जिसमें प्रत्येक पालक को 10 परिवारों की जिम्मेदारी दी जाती हैं, इस तरह से 10 पालक मिलकर मोहल्ला के क्रम से बने हुए 100 परिवारों को चिन्हित कर कार्य करते ।

▶ कार्य कब व कैसे किया जाता है :

इस योजना में माह में होने वाले प्रत्येक रविवार को सिर्फ 30 मिनिट से 1.30 घंटे की गतिविधि कराई जाती है। गतिविधि का समय, पालक अपने हिसाब से तय करते है।

नोट : किसी भी तरह की गतिविधि के दौरान किसी भी व्यक्ति की बुराई नहीं की जाती न ही किसी तरह का आश्वासन दिया जाता है योजना से हटकर यदि किसी की कोई समस्या है तो उस समस्या से संबंधित दस्तावेजों को एकत्र कर विचार संस्था कार्यालय भेजा जाता है कार्यालय से समस्या को संबंधित विभाग भेजा जाता है।

4. गतिविधियां :

▶ सर्वप्रथम हमारे पालकों द्वारा परिवार परिचय के 10-10 फॉर्म को भरवाया जाता है इसके साथ ही स्वच्छ ता पर आधारित 10 सूत्रीय कैलेण्डर को सभी घरों में महत्व समझाकर लगवाया जाता है तथा बार बार उस कैलेण्डर पर प्रकाश डलवाया जाता है।

▶ उन 10 परिवारों के छोटे-छोटे बच ों की खेल प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं एवं भारत के नक्शा व राष्ट ों की जानकारी दी जाती है

▶ युवक-युवतियों को रक्तदान के महत्व व योग ध्यान से जोड़ा जाता है।

▶ 10 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को माहवारी का महत्व बताकर प्रथम बार फ्री सैनेटरी पेड सभी को वितरित किये जाते है इसके बाद आगे उपयोग करने के लिए विचार कार्यालय से 6 रू. पैकेट के हिसाब से बैचे जाते है जिसमें 3 पीस होते है मतलब 2 रू. का 1 पीस जबकि विचार संस्था को 1 पैकेट की कीमत 8.25 पैसे पड़ती है शेष 2.25 पैसे का वहन संस्था द्वारा किया जाता है। गैरतलब बात यह है कि बाजार में मिलने वाले अन्य सैनेटरी पेड जो लगभग 25 से 30 रू. के होते है जबकि दोनों पेड की क्वालिटी लगभग समान होती है।

5. आयोजन :

▶ प्रत्येक वर्ष विचार गणतंत्र महोत्सव व विचार स्वतंत्रता महोत्सव के माध्यम से अगली व पिछली मोहल्ला की टीमों को एक मंच पर लाया जाता है।

▶ दिनांक 8 मार्च 2019 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में क्लस्टर बनाकर 7 स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं को वक्ताओं के माध्यम से आत्मरक्षा की टिप्स दी गई।

▶ सहायक, समन्वयक, पालक में मेल- मिलाव के लिए समय समय पर पालक सम्मेलन का आयोजन।

▶ मंगलगिरि परिसर में 5000 पौधो का पौधारोपण।

▶ राजघाट कैच मेन्ट एरिया में एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह सीड बालों का रोपण।

▶ मंगलगिरि में रोपित 5000 पौधो के साथ वृक्षाबन्धन कार्यक्रम का आयोजन।

▶ 19 जनवरी 2020 को 17 किमी. लंबी विचार तिरंगा मानव श्रृंखला बनाकर विश्व रिकार्ड बनाया।

6. सुविधाएं :

▶ नेकी का घर : जिसके पास जो अतिरिक्त है वो दे जाते है व जरूरतमंद उसे ले जाते है।

▶ निशुल्क डॉक्टरी जॉच : रविवार को छोड़कर हफ्ते में 6 दिन सुबह 11 से 1 बजे तक निशुल्क जांच व दवा वितरण किया जाता है।

▶ कम्प्यूटर शिक्षा : बालिकाओं व महिलाओं को 15 दिवस का बेसिक नॉलेज की निशुल्क शिक्षा।

▶ प्राकृतिक खेती एवं गौ सेवा : खेती से जुड़े किसान भाईयों को जैविक खेती के टिप्स व गौ-पालन के तरीके सिखाए जाते है।

▶ शववाहन : संस्था द्वारा संचालित शववाहन जो कि 24*7 दिन अस्पताल से 30 किलोमीटर तक उनके घर तक निशुल्क सेवाएं प्रदान करना है जो कुछ देने में सक्षम उनसे भी सिर्फ फ्यूल चार्ज ही लिया जाता है।

▶ पुस्तकालय व वाचनालय : जैसा कि हम सभी जानते हैं कि विद्या दान महादान है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विचार संस्था द्वारा विभिन्न पाठ्य पुस्तकों का संग्रहालय बनाया गया जिसमें लोग उपयोग की पुस्तकें ले जाते हैं तथा जो उन के उपयोग की नहीं है वह रख जाते हैं।

▶ हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र : 12 करघा मशीनों पर निःशुल्क हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जाता है।

''सुन्दर गाँव समझदार गाँव योजना''

दो गाँव को एक साथ जोड़ के बनाना है

शहरी अंचल में हजारों आदर्श घर बनाने वाली विचार संस्था का अगला लक्ष्य बना ''सुंदर गांव समझदार गांव'' ...17 वर्षो में 17 हजार से ज्ञ ादा आदर्श घर बनाने वाली विचार संस्था की अगली मुहिम ''सुंदर गांव समझदार गांव'' रंग लाने लगी है।

सागर। विचार संस्था ने 'सुंदर गांव समझदार गांव' अभियान के तहत ढ़करानियाँ गांव में भ्रमण किया। ग्रामीणों के साथ बैठक की और संस्था द्वारा जैविक खेती और अनुपयोगी साग-सब्जियों से एंजाइम बनाने की विधि बताई। ग्रामीणों ने विचार संस्था की सुंदर गांव समझदार गांव की परिकल्पना को साकार करने में हर मदद का संकल्प लिया जिसके लिए 6 समितियों का गठन किया जाएगा। समिति के सदस्यों द्वारा स्वच्छ ताता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, शिक्षा, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य, जैविक कृषि, रोजगार डेवलमेंट सहित प्रभात फेरी, सत्संग के लिए प्रेरित किया जाएगा। ग्रामहित के इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सप्ताह में 3 से 4 दिन विचार सेवकों द्वारा गांव का भृमण किया जाएगा। विचार संस्था ने सुंदर गांव समझदार गांव योजना के शुरुआती चरण मे 25 गांवों को चिन्हित किया है जिसमे ग्राम ढ़करानियाँ का नाम शामिल है। सागौनी पुरैना, और मनेसिया गांव में सुंदर गांव समझदार गांव योजना में ग्रामीणों को जागरूक किया गया है। सागौनी पुरैना गांव में नशा मुक्ति का संकल्प साकार होता दिख रहा है। समितियों द्वारा ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। कहते भी हैं भारत देश की आत्मा गांवो में बस्ती है, सामाजिक संघठनो द्वारा गांवो में जागरूकता का पाठ प?ाते रहने से ग्रामीण अंचलों में चला आ रहा पिछ?ापन कोसों दूर चला जायेगा। विचार संस्था 17 वर्षों से सतत सक्रियता रखकर हजारों घरों को रौशन कर चुका है। विचार संस्था का गांवों की तरफ ध्यान देना और पिछ्ले रिकॉर्ड जिसमे संस्था द्वारा सफलता के नये आयाम लिखे गये उसके अनुसार इन चिन्हित ग्रामों में संस्था के प्रकल्पों से जागरूकता और सम्पन्नता देखने जरूर मिलेगी। इस बैठक में विचार संस्था के अध्यक्ष व सरंक्षक कपिल मलैया, मुख्य संघठक अखिलेश समैया, सहायक मनोज राय, सहित ग्राम ?करानियाँ से पधारे समस्त गणमान्य ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सागर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। इसे हर साल International Women's Day के रूप में 8 मार्च को विश्वभर में मनाया जाता है। इस दिन सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं जात-पात, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। जहां भारत में पहले महिलाएं अपने हक में कम ही बोलती थी, वहीं आज इक्कीसवीं सदी की महिला ने स्वयं की शक्ति को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख लिया है। महिलाओं ने साबित कर दिया है कि वह हर क्षेत्र में अपना नाम बनाने में सक्षम है। माँ अर्थात, माता के रूप में नारी, धरती पर अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। मां को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है, क्योंकि ईश्वर की जन्मदात्री भी नारी ही रही है। आज के शुभ दिन के अवसर पर मातृत्व दिवस को नमन करते हैं। सागर जिले में सामाजिक कार्यों से जुढ़ी विचार संस्था जिसका ताना बाना महिलाओं की शसक्तीकरण से जुढ़ा हुआ रहता है उस विचार संस्था की पूरी टीम ने महिलाओं को जाग्रत करने, उन्हें अपना हक जानने और सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए उठाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां साझा करने वार्डों में जाकर सम्पर्क किया, साथ ही सभी वार्ड वासियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। विचार संस्था टीम की सदस्यों ने महिलाओं को रोजगार मुहैया करने वाली हथकरघा के प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने के उपाय बताए। घर की अनुपयोगी सब्जी से बनाई जाने वाली इंजाइम विधि के परिणामों के बारे में जानकारी साझा की। जैविक खाद बनाने की सम्पूर्ण विधि और इसके उपयोग के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। 17 सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रियता रखने वाली विचार संस्था सागर जिले में एक अलग मुकाम तय कर चुकी है। इसके द्वारा किये गए कार्यों से सैकढ़ों परिवारों के घरों में रोशनी की अलख जगी है। आज देश को ऐसें सामाजिक संघठनो की बेहद आवश्यकता है।

जिसमे मुख्य अतिथि मानव विकास संसथान से दिनेश नामदेव, विधुत मंडल निगरानी समिति की अध्यक्ष शर्माती राधा साहू जी महिला मौचा की जिला महामंत्री श्रीमती रमा जाटव जी, जैन मिलन की सयोजिका श्रीमती मंजू संतभैया जी, विचार संस्था के मुख्य सहायक अखिलेश समैया, राहुल अहिरवार, बद्री सेन , जवाहर लाल , पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, शिखा चौरसिया आदि लोग उपस्थित रहे ।

मीडिया कवरेज

सागर, मंगलवार , 10 मार्च 2020 3 आचरण

महिलाओं ने अपनी शक्ति को पहचान लिया है: विचार संस्था

सागर, आचरण संवाददाता।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। इसे हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में 8 मार्च को विश्वभर में मनाया जाता है। इस दिन सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं जात-पात, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। जहां भारत में पहले महिलाएं अपने हक में कम ही बोलती थी, वहीं आज इक्कीसवीं सदी की महिला ने स्वयं की शक्ति को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख लिया है। महिलाओं ने साबित कर दिया है कि वह हर क्षेत्र में अपना नाम बनाने में सक्षम है। माँ अर्थात, माता के रूप में नारी, धरती पर अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। मां को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है, क्योंकि ईश्वर की जन्मदात्री भी नारी ही रही है। आज के शुभ दिन के अवसर पर मातृत्व दिवस को नमन करते हैं। सागर जिले में सामाजिक कार्यों से जुड़ी विचार संस्था जिसका ताना बाना महिलाओं की सशक्तीकरण से जुड़ा हुआ रहता है उस विचार संस्था की पूरी टीम ने महिलाओं को जाग्रत करने, उन्हें अपना हक जानने और सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए उठाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां साझा करने वार्डों में जाकर सम्पर्क किया, साथ ही सभी वार्डवासियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। विचार संस्था टीम की सदस्यों ने महिलाओं को रोजगार मुहैया करने वाली हथकरघा के प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने के उपाय बताए। घर की अनुपयोगी सब्जी से बनाई जाने वाली इंजाइम विधि के परिणामों के बारे में जानकारी साझा की। जैविक खाद बनाने की सम्पूर्ण विधि और इसके उपयोग के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। 17 सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रियता रखने वाली विचार संस्था सागर जिले में एक अलग मुकाम तय कर चुकी है।

इसके द्वारा किये गए कार्यों से सैकड़ों परिवारों के घरों में रोशनी की अलख जगी है। आज देश को ऐसे सामाजिक संगठनों की बेहद आवश्यकता है। जिसमे मुख्य अतिथि मानव विकास संस्थान से दिनेश नामदेव, विद्युत मंडल निगरानी समिति की अध्यक्ष शर्माति राधा साहू महिला मोर्चा की जिला महामंत्री श्रीमती रमा जाटव, जैन मिलन की सयोंजिका श्रीमती मंजू संतभैया, विचार संस्था के मुख्य सहायक अखिलेश समैया, राहुल अहिरवार, बद्री सेन, जवाहर लाल, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, शिखा चौरसिया आदि लोग उपस्थित रहे ।

औबेदुल्लागंज, बरेली रायसेन-बालाघाट सागर, मंडीदीप आसपास अग्निबाण भोपाल, गुरुवार 5 मार्च 2020 9

सागौनी पुरैना के ग्रामीणों ने अपने ग्राम को नशामुक्त करने का संकल्प लिया

गांव में शराब, गुटखा इत्यादि नशीले पदार्थों की बिक्री पूर्ण तरह से बंद होगी

शैलेन्द्र राजपूत, सागर

कहते हैं बड़े से बड़ा कार्य दृण संकल्पित होकर किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है। नशा समाज के लिए सबसे बड़ा श्राफ बनकर उभरा है जिसकी रोकथाम के लिए तरह तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। विचार संस्था सागर जिले में बड़ा सामाजिक संघठन बनकर उभरा है। संस्था के द्वारा जैविक खेती से लेकर घरेलू खाद्यान की अनुपयोगी वस्तुओं से बना बना एंजाइम, हजारों की संख्या में पौधरोपड़ और 17 किलोमीटर की विशाल तिरंगा मानव श्रृंखला वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुकी हैं। इसी विचार संस्था ने 'सुंदर गांव - समझदार गांव' योजना की शुरूआत की है।

इस योजना के अंतर्गत उन्होंने जैसीनगर से लगे गांव सागौनी के ग्रामीणों से सम्पर्क किया

जिसमें विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गांव वालों को समझाते हुए कहा कि नशा मुक्त देश हर नागरिक की आवश्यकता है और इसी से राष्ट्र उन्नति कर सकेगा और यह तभी संभव है जब हर व्यक्ति नशीले पदार्थों का सेवन बंद कर दे। युवाओं में नशे का प्रचलन अधिक है और युवा ही देश का भविष्य है इसलिए युवाओं को समझना चाहिए की नशा जहर है, नशा करने वाला व्यक्ति अपना मान सम्मान खो देता है। वह निरंतर अपने परिवार से झगड़ता रहता है जिससे पारिवारिक शांति भंग होती है। नशा करने वाले व्यक्ति का जीवन कभी भी खुशहाल नहीं होता है और न ही उसके पास धन होता है। नशे की लत बहुत ही बुरी है अतः इसे आज से त्यागने का संकल्प लें। विचार संस्था की इस पहल पर सरपंच रविंद्र सिंह राजपूत और गांव के प्रभावशाली व्यक्तियों ने निर्णय लिया कि ग्राम सागौनी पुरैना में किसी भी प्रकार का नशा नहीं किया जाएगा। शराब, गुटखा इत्यादि नसों की बिक्री पूर्ण तरह से ग्राम में बंद रहेगी। उक्त निर्णय से संपूर्ण गांव में खुशी की लहर दौड़ गई एवं विचार संस्था के पदाधिकारियों ने ग्राम वासियों को बधाई दी। गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता पर्यावरण इन सभी विषयों पर कार्य करने के लिए व्यवस्थित इकाइयां बनाने का निर्णय किया गया।

विचार संस्था ने 11 परिवारों को उपलब्ध कराई किराना सामग्री

सागर (आरएनएन)। विचार संस्था द्वारा अहमद नगर क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों को 35 किलो गेहूं, 10 किलो चावल, 3 किलो दाल, तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, धना आदि किराने का जरूरत का सामान 11 परिवारों को वितरित किया गया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वे लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार जरूरतमंदों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी। विचार संस्था से जो भी सहयोग की अपेक्षा हो जरूर बताइए।

औबेदुल्लागंज रायसेन-बालाघाट सागर आसपास अग्निबाण भोपाल, सोमवार 09 मार्च 2020 9

विचार संस्था की पहल से महिलाओं ने सीखा एंजाइम और जैविक खाद बनाना

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष: आदर्श घर के अंतर्गत विचार संस्था की मुहिम से सैकड़ों घरों की महिलाओं में जागृति आई

सागर, अग्निबाण संवाददाता।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को विश्वभर में मनाया जाता है। इस दिन सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं जात-पात, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। जहां भारत में पहले महिलाएं अपने हक में कम ही बोलती थी, वहीं आज इक्कीसवीं सदी की महिला ने स्वयं की शक्ति को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख लिया है। महिलाओं ने साबित कर दिया है कि वह हर क्षेत्र में अपना नाम बनाने में सक्षम है। माँ अर्थात, माता के रूप में नारी, धरती पर

अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। मां को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है, क्योंकि ईश्वर की जन्मदात्री भी नारी ही रही है। आज के शुभ दिन के अवसर पर मातृत्व दिवस को नमन करते हैं। सागर जिले में सामाजिक कार्यों से जुड़ी विचार संस्था जिसका ताना बाना महिलाओं की शसक्तीकरण से जुड़ा हुआ रहता है उस विचार संस्था की पूरी टीम ने महिलाओं को जाग्रत करने, उन्हें अपना हक जानने और सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए उठाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां साझा करने वार्डों में जाकर सम्पर्क किया, साथ ही सभी वार्ड वासियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। विचार संस्था टीम की सदस्यों ने महिलाओं को रोजगार मुहैया करने वाली हथकरघा के प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने के उपाय बताए। घर की अनुपयोगी सब्जी से बनाई जाने वाली इंजाइम विधि के परिणामों के बारे में जानकारी साझा की। जैविक खाद बनाने की सम्पूर्ण विधि और इसके उपयोग के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। 17 सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रियता रखने वाली विचार संस्था सागर जिले में एक अलग मुकाम तय कर चुकी है। इनके द्वारा किये गए कार्यों से सैकड़ों परिवारों के घरों में रोशनी की अलख जगी है। आज देश को ऐसें सामाजिक संघठनो की बेहद आवश्यकता है।

मीडिया कवरेज

अतुल्य भास्कर

सुंदर गांव समझदार गांव योजना की शुरूआत, विचार संस्था की पहल

अतुल्य भास्कर, सागर

विचार संस्था ने 'सुंदर गांव - समझदार गांव' योजना की शुरूआत की। इस योजना के तहत जैसीनगर के पास प्रथम गांव सागौनी पुरैना को चुना गया। विचार टीम ने रात्रि विश्राम ग्राम सागौनी पुरैना में किया। अगले दिन सुबह गांव वालों के साथ बैठक हुई। जिसमें विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गांव वालों को समझाते हुए कहा कि नशा मुक्त देश हर नागरिक की आवश्यकता है और इसी से राष्ट्र उन्नति कर सकेगा और यह तभी संभव है जब हर व्यक्ति नशीले पदार्थों का सेवन बंद कर दे। मनोज राय ने कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति अपना मान सम्मान खो देता है। नशा करने वाले व्यक्ति का जीवन कभी भी खुशहाल नहीं होता है और न ही उसके पास धन होता है। नशे की लत बहुत ही बुरी है अतः इसे आज से त्यागने का संकल्प लें।

विचार संस्था की इस पहल पर सरपंच रविंद्र सिंह राजपूत और गांव के प्रभावशाली व्यक्तियों ने निर्णय लिया कि ग्राम सागौनी पुरैना में किसी भी प्रकार का नशा नहीं किया जाएगा। शराब, गुटखा इत्यादि नसों की बिक्री पूर्ण तरह से ग्राम में बंद रहेगी। उक्त निर्णय से संपूर्ण गांव में खुशी की लहर दौड़ गई एवं विचार संस्था के पदाधिकारियों ने ग्राम वासियों को बधाई दी।

2 सागर, सोमवार 30 मार्च 2020 सागर देशबन्धु

जरूरतमंद परिवारों को वितरित किया सामान

सागर, देशबन्धु। विचार संस्था द्वारा आज अहमदनगर क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों को 35 किलो गेहूं, 10 किलो चावल, 3 किलो दाल, तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, धना आदि किराने का जरूरत का सामान 11 परिवारों को वितरित किया गया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा की इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी। विचार संस्था से जो भी सहयोग की अपेक्षा हो जरूर बताइए।

दैनिक भास्कर 19-Mar-2020 सागर Page 6

नशा मुक्ति, पर्यावरण के प्रति लोगों को किया जागरुक

सागर | विचार सेवकों ने सुंदर गांव समझदार गांव अभियान के तहत ढगरानियां गांव में भ्रमण किया। गांव विकास के लिए 6 समितियां गठित कीं। सदस्यों द्वारा स्वक्षता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, शिक्षा, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य, जैविक कृषि, रोजगार डेवलमेंट सहित प्रभात फेरी, सत्संग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

दैनिक भास्कर 09-Mar-2020 सागर Page 6

घर-घर जाकर महिलाओं को किया सम्मानित : विचार संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न वार्डों में कार्यक्रम कर घर-घर जाकर महिलाओं को सम्मानित किया। ये सभी महिलाएं संस्था के विभिन्न प्रकल्पों से जुड़ी हुई हैं। दिनेश नामदेव, राधा साहू, रमा जाटव, जैन मिलन की संयोजक मंजू संतभैया, मुख्य सहायक अखिलेश समैया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, शिखा चौरसिया आदि मौजूद थीं।

स्वदेश ज्योति सागर, मंगलवार 10 मार्च 2020

विचार संस्था ने महिलाओं को किया जागरुक

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

महिला दिवस पर जिले में सामाजिक कार्यों से जुड़ी विचार संस्था जिसका ताना बाना महिलाओं की सशक्तीकरण से जुड़ा हुआ रहता है उस विचार संस्था की पूरी टीम ने महिलाओं को जाग्रत करने, उन्हें अपना हक जानने और सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए उठाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां साझा करने वार्डों में जाकर सम्पर्क किया, साथ ही सभी वार्ड वासियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। विचार संस्था टीम की सदस्यों ने महिलाओं को रोजगार मुहैया करने वाली हथकरघा के प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने के उपाय बताए। घर की अनुपयोगी सब्जी से बनाई जाने वाली इनजाइम विधि के परिणामों के बारे में जानकारी साझा की। जैविक खाद बनाने की सम्पूर्ण विधि और इसके उपयोग के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। 17 सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रियता रखने वाली विचार संस्था सागर जिले में एक अलग मुकाम तय कर चुकी है। इसके द्वारा किये गए कार्यों से सैकड़ों परिवारों के घरों में रोशनी की अलख जगी है। आज देश को ऐसें सामाजिक संगठनों की बेहद आवश्यकता है।

दैनिक भास्कर 04-Mar-2020 सागर Page 6

संस्था... लोगों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

सागर | विचार संस्था ने सुंदर गांव-समझदार गांव योजना की शुरुआत जैसीनगर के पास स्थित सागौनी पुरैना गांव से की। संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गांव वालों को नशा, उसके नुकसान, नशामुक्ति के फायदों आदि के बारे में बताया। संयोजक मनोज राय ने भी विचार रखे। सरपंच रविंद्र सिंह राजपूत और गांव के प्रमुख व्यक्तियों की पहल पर लोगों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

दैनिक अतुल्य भास्कर

सागर, 30 मार्च 2020, सोमवार

विचार संस्था ने जरूरतमंद परिवारों को बांटा राशन

सागर। विचार संस्था द्वारा आज अहमदनगर क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों को 35 किलो गेहूं, 10 किलो चावल, 3 किलो दाल, तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, धना आदि किराने का जरूरत का सामान 11 परिवारों को वितरित किया गया।

भोजन वितरित करते समिति के सदस्य

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा की इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी।

दैनिक भास्कर 30-Mar-2020 सागर Page 6

• 11 परिवारों को 35 किलो गेंहू, दाल-चावल बांटे

सागर | विचार संस्था द्वारा रविवार को अहमदनगर क्षेत्र में जरूरतमंद 11 परिवारों को 35 किलो गेहूं, 10 किलो चावल, 3 किलो दाल, तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, धना आदि जरूरत का सामान वितरित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ला वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें।

सागर, 10 मार्च 2020 पेज 6 अतुल्य भास्कर

महिला दिवस पर विचार संस्था ने नारी का सम्मान कर किया जागरूक

अतुल्य भास्कर, सागर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं जात-पात, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। जहां भारत में पहले महिलाएं अपने हक में कम ही बोलती थी, वहीं आज इक्कीसवीं सदी की महिला ने स्वयं की शक्ति को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए

जुड़ी विचार संस्था जिसका ताना बाना महिलाओं की शसक्तीकरण से

के प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने के उपाय बताए। घर की अनुपयोगी

हम सब मिलकर कोरोना से लड़ेंगे

निवेदन

इस समय कोई भी सामाजिक संस्था जनहित के जो भी कार्य करे उसमें सर्वप्रथम अपने मोहल्ले वासियों और आसपास नजर आने वाले वो लोग जो आपसे मदद की उम्मीद रखते हैं, उनकी हर संभव मदद करें। आवश्यकता अनुसार मददगीरों की मदद करें। सभी को जागरूक करें कि अपने घरों से ना निकले। बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। आपके आसपास अगर कोई ऐसा परिवार है जिसे पैसों के कारण खाने पीने की कमी हो उसे मोहल्ले वाले मिलकर सहयोग करें। याद रखें ऐसें लोगों के लिए आप भगवान का रूप होंगे और यही सबसे बड़ी धर्म आराधना होगी। विचार संस्था से जो भी सहयोग की अपेक्षा हो जरूर बताइए।

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष, विचार संस्था

आपसे निवेदन है की अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI
VICHAR SAMITI
0980143132
Pay With Any App
G Pay Paytm PhonePe
WhatsApp amazon
150+ Apps
Powered By: BharatPe

नगद दान देने हेतु या फिर दान सामग्री देने हेतु इस नंबर पर संपर्क करें - +91 98938 00638

निवेदन है कि विचार संस्था सभी दानदाताओं के नाम व तस्वीर विचार मासिक पत्रिका में प्रकाशित कर रही है। इसलिए कृपया कर दान करने के पश्चात अपना नाम, फ़ोटो व फ़ोन नंबर इस नंबर पर वॉट्सऐप करें - 9165422888

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

विचार की दैनिक रिपोर्ट व गतिविधियों की जानकारी के लिए देखें हमारा फेसबुक पेज :

@vicharsanstha

व्हाट्सएप पर जानकारी पाने के लिए इस नंबर को सेव करें व इस पर अपना नाम लिखकर व्हाट्सएप मैसेज करें : +91 9575737475

हमारे सागर सुधार - सागर विकास अभियान से जुड़ने के लिए संपर्क करें :

नितिन पटैरिया : +91 9009780042

विचार की अन्य गतिविधियों से जुड़ने के लिए संपर्क करें :

आकांक्षा मलैया : +91 9165422888